कृष्णा फायर टू फ्रॉस्ट में नारी शक्ति का सशक्त चित्रण

महाभारत समागम के छठवें दिन भारत भवन के मंचों पर हवेली संगीत, कर्णभारम् का मंचन

भोपाल, 21 जनवरी. भारत भवन में महाभारत समागम के छठवें दिन बुधवार को राजेंद्र द्वारा किया गया. इसके पहले पूर्वरंग मंच पर विनय अनुजा, पुणे द्वारा निर्देशित सांगीतिक प्रस्तुति हवेली संगीत तथा अंतरंग सभागार में के.एन. पणिक्कर, केरल द्वारा निर्देशित नाट्य प्रस्तुति कर्णभारम् का मंचन किया गया.

कृष्णा फायर टू फ्रॉस्ट नृत्य नाटिका की प्रभावशाली प्रस्तुति हुई. इस नृत्य नाटिका का निर्देशन प्रसिद्ध नृत्यांगना निरुपमा

प्रसिद्ध नृत्यांगना निरुपमा राजेंद्र द्वारा निर्देशित कृष्णा फायर टू फ्रॉस्ट प्रस्तुति महाभारत की प्रमुख नायिका द्रौपदी के जीवन को भगवान श्रीकृष्ण के दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है. द्रौपदी की यात्रा अग्निकुंड से जन्म के दृश्य से आरंभ होती है और जीवन के संघर्षों से गुजरते हुए हिमालय की शांति तक पहुँचती है. 'आग' उनके साहस, आत्मसम्मान और संघर्ष का प्रतीक है, जबकि 'बर्फ' वैराग्य, शांति और आत्मबोध को दर्शाती है.

नृत्यनाटिका में स्वयंवर, पांच पांडवों से विवाह, द्यूतसभा का अपमान, वनवास, युद्ध और युद्धोपरांत जीवन जैसे प्रमुख प्रसंगों को सशक्त भाव-भंगिमाओं और नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया. भगवान कृष्ण पूरे नाट्य में मार्गदर्शक और साक्षी के रूप में उपस्थित रहते हैं, जो द्रौपदी को शक्ति, धैर्य और धर्म का बोध कराते हैं. कृष्णा फायर टू फ्रॉस्ट द्रौपदी को केवल पौराणिक पात्र नहीं, बल्कि नारी शक्ति, मानवीय संवेदना और आध्यात्मिक उत्कर्ष के प्रतीक के रूप में स्थापित करती है.

हवेली संगीत से सजी कृष्ण भक्ति की संध्या

महाभारत समागम के अंतर्गत पूर्वरंग मंच पर मन मोह्यो सांवरो - हवेली संगीत की भावपूर्ण सांगीतिक प्रस्तुति हुई. पुणे के प्रसिद्ध गायक विनय अनुजा ने पुष्टिमार्गीय परंपरा से विकसित हवेली संगीत को श्रोताओं के सामने प्रस्तुत किया. अष्टछाप कवियों, विशेषत: सूरदास की रचनाओं के माध्यम से श्रीकृष्ण की भक्ति, प्रेम और माधुर्य को स्वरों में अभिव्यक्त किया गया. यह प्रस्तुति संगीत, भक्ति और दर्शन का सुंदर संगम रही, जिसने दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभूति से जोड़ दिया. सोपानम, केरल द्वारा प्रस्तुत नृत्यनाटिका कर्णभारम् अंतगरंग सभागार में मंचन हुआ. प्रसिद्ध रंग निर्देशक के .एन. पनिक्कर के निर्देशन में यह प्रस्तुति महाभारत के महान योद्धा कर्ण के अंतिम क्षणों और उसके भीतर चल रहे मानसिक द्वंद्व को दर्शाती है.

> **कठपुतली समारोह आज से**
>
> सातवें दिन कठपुतली समारोह का शुभारंभ गुरुवार 22 जनवरी को भारत भवन के अभिरंग सभागार में होगा. यह समारोह 24 जनवरी तक आयोजित होगा. शुभारंभ अवसर पर पहली प्रस्तुति सुदीप गुप्ता निर्देशित द आर्चर हू स्टूड अलोन तथा दूसरी प्रस्तुति मानसिंह झाला निर्देशित आठवां होगी.

लेखन कौशल विकसित करें छात्र

एमएलबी में 'रीडर्स, राइटर्स एंड लिटरेचर' पर कार्यशाला

भोपाल, 21 जनवरी. शासकीय एम.एल.बी. कन्या महाविद्यालय के अंग्रेज़ी विभाग ने 'रीडर्स, राइटर्स एंड लिटरेचर' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में साहित्यिक समझ और रचनात्मक सहभागिता को बढ़ावा देना था.

अंग्रेज़ी विभाग की अध्यक्ष डॉ. सीमा रायज़ादा ने कार्यशाला के उद्देश्य-पाठकों, लेखकों और साहित्यिक पाठों की गहन समझ विकसित करने तथा व्याख्यात्मक कौशल को सुदृढ़ करने को स्पष्ट किया गया. ऑस्ट्रेलियाई लेखिका इनेज़ बाराने ने अपनी लेखन यात्रा के अनुभव साझा किए और विद्यार्थियों को पारंपरिक एवं प्रयोगात्मक दोनों प्रकार की लेखन विधियों के माध्यम से लेखन कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया.

मेधावी विद्यार्थियों को वितरित की छात्रवृत्ति

भोपाल, 21 जनवरी. 2020 खुशियों का वितरण केंद्र के द्वारा मासिक छात्रवृत्ति का वितरण मंगलवार को निम्न आय वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को अरविंद विजयवर्गीय की उपस्थिति में किया गया. छात्रवृत्ति को स्पॉन्सर करने वाले सभी अभिभावकों का केंद्र संचालक राकेश भारती ने आभार व्यक्त किया.

विद्यार्थियों ने कबाड़ की सहायता से बनाए मॉडल

क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय में कबाड़ से जुगाड़ प्रतियोगिता

भोपाल, 21 जनवरी. क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, भोपाल द्वारा बुधवार को कक्षा 06 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए 'कबाड़ से जुगाड़ प्रतियोगिता सह प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया. इसमें भोपाल एवं बुधनी के 09 विभिन्न विद्यालयों के 43 विद्यार्थियों ने गैर-जैवअपघटनीय अपशिष्ट की सहायता से बनाए गए मॉडल को प्रदर्शित किया.

विद्यार्थियों ने गैर अपघटनीय पदार्थों जैसे थर्माकोल, प्लास्टिक पाइप, स्ट्रा, पानी की खाली बॉटल, बिजली के तार, दवा की पैकिंग, छोटा शीशा, बटन, सीडी आदि की सहायता से बनाए हुए विभिन्न प्रकार के मॉडल प्रदर्शित किए. प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार महर्षि सेंटर फॉर एजुकेशन एक्सीलेंस के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित शाक वाटिका, द्वितीय पुरस्कार भारती विद्या मंदिर, बुधनी के विद्यार्थियों द्वारा चुम्बकीय स्विच से संचालित चमकती हुई लैंप और तृतीय पुरस्कार कोपल पब्लिक स्कूल, बरखेड़ी कलां के विद्यार्थियों द्वारा ई-कचरे से निर्मित आकर्षक कोलाज पोट्रेट को दिया गया. इसी प्रकार सागर पब्लिक स्कूल, रोहित नगर के विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण अनुकूल बोतल के बनाए गए मॉडल एवं सांदीपनि कमला नेहरु कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, टी टी नगर, भोपाल के विद्यार्थियों द्वारा अपशिष्ट सामग्री से निर्मित साजो- सामान को प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

> 'पक्षियों का प्रवास' विषय पर आयोजित वेबिनार में बॉम्बे नैचुरल हिस्ट्री सोसाइटी, मुम्बई के कार्यक्रम अधिकारी नंदकिशोर दुधे ने बताया कि हर वर्ष लाखों पक्षी; मौसम परिवर्तन, भोजन की उपलब्धता और प्रजनन के उद्देश्य से हजारों किलोमीटर की यात्रा करते हैं. उन्होंने जैव विविधता संरक्षण की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए कहा कि यदि समय रहते प्राकृतिक आवासों को सुरक्षित नहीं किया गया, तो आने वाले समय में कई प्रजातियां संकट में पड़ सकती है.

एसजीएसयू के छात्र पीयूष पवार ने जीता स्वर्ण पदक

भोपाल, 21 जनवरी. स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू) भोपाल के बी.पी.ई.एस. पाठ्यक्रम के छात्र पीयूष पवार ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए सीनियर स्टेट कराटे चैंपियनशिप 2025-26 में 84 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया. यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता इंदौर में आयोजित की गई थी.

फाइनल मुकाबला स्कोप टीम एवं देवास के बीच खेला गया, जिसमें पीयूष पवार का सामना हर्ष चौहान (देवास) से हुआ. तीन मिनट की इस फाइनल फाइट में दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबला 3-3 अंकों से बराबरी पर रहा. इसके पश्चात सेंशु के आधार पर पीयूष पवार को विजेता घोषित किया गया.

भारत-साउथ कोरिया में तकनीकी सहयोग पर चर्चा

साउथ कोरिया के प्रतिनिधिमंडल ने देखा ग्लोबल स्किल पार्क

भोपाल, 21 जनवरी. साउथ कोरिया के प्रतिनिधिमंडल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने बुधवार को भोपाल के संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क का भ्रमण किया. दल ने कौशल विकास, उद्योग से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम को करीब से देखा और समझा.

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद और कोरिया इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी, साउथ कोरिया के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अंतर्गत प्रस्तावित वोकेशनल मेकाट्रॉनिक्स प्रयोगशाला की स्थापना के परिप्रेक्ष्य में साउथ कोरिया गणराज्य का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को ग्लोबल स्किल पार्क पहुंचा. प्रतिनिधिमंडल में चो जियोंग यून, लिम चंकीयो, कांग सुंग बॉन्ग, पार्क चुल सु, किम यंग सैंग, किम मिंक यू, किम सुंगयोंग तथा किम मिनसू शामिल रहे. प्रतिनिधियों ने पार्क में स्थापित हाई-टेक प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं, आधुनिक मशीनरी, इंडस्ट्री-ग्रेड प्रशिक्षण सुविधाओं और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तैयार किए गए पाठ्यक्रमों का अवलोकन किया. इस दौरान भारत और साउथ कोरिया के बीच तकनीकी और अकादमिक सहयोग को आगे बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की गई. इधर, आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी, भोपाल में आयोजित राज्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) 2025 बैच के अधिकारियों ने भी ग्लोबल स्किल पार्क का शैक्षणिक एवं औद्योगिक भ्रमण किया.

हिंदी ई-पत्रिका 'सृजन' का विमोचन

बीएचईएल की ई-पत्रिका का चौथा अंक

बीएचईएल संवाददाता

भोपाल, 21 जनवरी. भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल), भोपाल में टूल एवं गेज विनिर्माण (टीजीएम) विभाग द्वारा प्रकाशित हिंदी ई-पत्रिका 'सृजन' के चतुर्थ अंक का विमोचन किया गया. पत्रिका का विमोचन रूपेश तैलंग, महाप्रबंधक (फीडर्स एवं ट्रांसफार्मर विनिर्माण, कमर्शियल एवं अनुरक्षण) द्वारा किया गया.

इस अवसर पर तैलंग ने कहा

कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपने पेशेवर दायित्वों का निर्वहन करते हुए ई-पत्रिका के लिए रचनात्मक योगदान देना कर्मचारियों की असाधारण क्षमता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है. उन्होंने इसे टीमवर्क की सफलता बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की कि बीएचईएल के कर्मचारी तकनीकी कार्यों के साथ-साथ साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं. महाप्रबंधक (फीडर्स) संतोष डोंगरे ने कहा कि विविध विषयों से सुसज्जित यह पत्रिका कार्यस्थल पर हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन और प्रचार की दिशा में एक सार्थक पहल है.

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के 2 वर्ष पूर्ण होने पर जलाए दीप

भोपाल, 21 जनवरी. अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के गुरुवार 22 जनवरी को दो वर्ष पूर्ण हो रहे हैं. इसके पूर्व बुधवार शाम को ओम शिव शक्ति सेवा मंडल के सदस्यों ने तुरंत महादेव मंदिर इंद्रपुरी में भगवान महादेव के समक्ष दीप जलाए और प्रसाद वितरित कर जयश्री राम के जयकारे लगाए. इस अवसर पर मंडल सचिव रिंकू भटेजा, गुड्डू अग्रवाल अमरीश पटेल, अवनीश श्रीवास्तव, पंडित गिरीश मिश्रा, योगेंद्र गोस्वामी गजेंद्र ठाकुर,सचिन आर्य, सुरेश पगारे सहित मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित थे.

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

क.रा.बी.नि.
E.S.I.C.

कुछ अवसर, नहीं आते लौटकर

नियोक्ता और कर्मचारी पंजीकरण प्रोत्साहन योजना

SPREE 2025

आज ही ईएसआई योजना में शामिल हों और अपने कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करें।

अंतिम तिथि: 31 जनवरी, 2026
अभी पंजीकरण करें और
जुर्माने एवं कानूनी कार्रवाई से बचें

तुरंत पंजीकरण करें यह अनिवार्य है, नहीं तो...

- पूर्व रिकॉर्ड की मांग की जाएगी और निरीक्षण किया जाएगा
- पिछले अंशदान की मांग की जाएगी
- ब्याज एवं जुर्माना लगाया जाएगा
- पिछले गैर अनुपालन के लिए कानूनी कार्रवाई की जाएगी
- पंजीकरण से कर्मचारियों को पूर्ण सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलेंगे

पंजीकरण कौन कर सकता है?

- 10 या अधिक कर्मचारियों वाले नियोक्ता जो अभी तक ESI योजना के तहत पंजीकृत नहीं हैं
- ऐसे नियोक्ता, जिन्होंने सभी पात्र कर्मचारियों को ESI योजना के तहत नामांकित नहीं किया है

सशक्त कारोबार, सुरक्षित कामगार, विकसित भारत का आधार

डिजिटल पंजीकरण करें
ईएसआईसी । श्रम सुविधा पोर्टल । एमसीए पोर्टल

अधिक जानकारी के लिए https://www.esic.gov.in देखें
या टोल-फ्री नंबर 1800-11-2526 पर कॉल करें

विस्तृत विवरण के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

स्वास्थ्य | एम्स की डॉ. गीता भारद्वाज ने केरल के ट्विन टाउन कोडिन्ही गांव में किया अध्ययन

जुड़वा शिशुओं को छह माह तक स्तनपान जरूरी

भोपाल, 21 जनवरी. एम्स भोपाल की सहायक प्राध्यापक डॉ. गीता भारद्वाज द्वारा एम्स भुवनेश्वर की डॉ. एम. वी. स्मिथा के सहयोग से जुड़वां शिशुओं की माताओं में स्तनपान व्यवहार पर एक महत्वपूर्ण अध्ययन किया गया है.

यह अध्ययन केरल के कोडिन्ही गांव में किया गया, जिसे भारत का 'ट्विन टाउन' कहा जाता है और जो आज भी दुनियाभर के शोधकर्ताओं के लिए एक रहस्य बना हुआ है. लगभग 400 जुड़वां बच्चों वाले इस छोटे से गांव में जुड़वां जन्मों की बड़ी

संख्या वर्षों से वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित करती रही है. यह गांव देश में सबसे अधिक और विश्व में दूसरे स्थान पर सबसे अधिक जुड़वां जन्म दर के लिए जाना जाता है. अध्ययन में पाया गया कि जुड़वां शिशुओं में समय से पहले जन्म, कम वजन और संक्रमण का खतरा अधिक होता है, ऐसे में जीवन के पहले छह महीनों में केवल स्तनपान उनके स्वस्थ विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है. हालांकि, एक साथ दो नवजात शिशुओं की देखभाल माताओं पर शारीरिक और मानसिक रूप से अत्यधिक दबाव डालती है, जिससे केवल स्तनपान कराना कठिन हो जाता है.

> शोध के अनुसार केवल 4 प्रतिशत माताएं ही पहले छह महीने तक जुड़वां बच्चों को स्तनपान करा सकीं. लगभग 70 प्रतिशत माताओं ने स्तनपान के दौरान अत्यधिक थकान की शिकायत की. दूध की मात्रा कम होने का डर और एक साथ दो बच्चों को संभालने में कठिनाई आम समस्याएं रहीं. इसके बावजूद कई माताओं ने 1 से 2 वर्ष तक स्तनपान जारी रखा और कुछ माताओं ने दोनों शिशुओं को एक साथ दूध पिलाने की पद्धति भी अपनाई.